# जेवर एयरपोर्ट के पास इकोनॉमिक सिटी बनेगी

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में जेवर एयरपोर्ट और मेट्रो के मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एयरपोर्ट के काम को अधिकारी प्राथमिकता से निपटाएं। यह बड़ा प्रोजेक्ट है। साथ ही इसके आसपास इकोनॉमिक सिटी विकसित करें। इसके अलावा जेवर को मेट्रो से जोड़ने का काम भी प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में हुई समीक्षा बैठक में जेवर एयरपोर्ट के हर पहलू के बारे में मुख्यमंत्री ने जाना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एयरपोर्ट का निर्माण जल्द शुरू हो जाएगा। 2022 से 25 के बीच एयरपोर्ट बनकर तैयार हो जाएगा। इसे देखते हुए गंभीरता से आसपास विकास कार्य शुरू करें, ताकि एयरपोर्ट के साथ उस एरिया का भी पूर्ण रूप से विकास हो सके। इसे एक इकोनॉमिक सिटी के रूप में विकसित किया जाए। यहां की जनता ने इसी उम्मीद से जमीन दी है। जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है। इस काम में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जमीन अधिग्रहण का काम तेजी से किया जाए। मुआवजा जल्द से जल्द किसानों को दे दिया जाए। जेवर एयरपोर्ट की निविदा निकाल दी गई है। नवंबर में कंपनी का चयन हो जाएगा।

**1334 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा एयरपोर्ट :** पीपीपी मॉडल पर बनने वाले जेवर एयरपोर्ट पर 15754 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। 30 अक्टूबर तक निविदा जमा करने की अंतिम तिथि है। 29 नवंबर को टेंडर खोले जाएंगे और उसी दिन कंपनी का चयन हो जाएगा। 29 नवंबर को कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। जेवर एयरपोर्ट 1334 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा।

इसमें 1239 हेक्टेयर जमीन किसानों से ली जा रही है। 95 हेक्टेयर ग्राम समाज की जमीन है। इस परियोजना में 2637 परिवारों को शिफ्ट किया जाएगा। जमीन खरीदने व परिवारों को शिफ्ट करने में 4086 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि विस्थापन पर 894 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

समीक्षा बैठक के दौरान सांसद महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह भी मौजूद थे।

## मेट्रो का काम भी प्राथमिकता पर हो

मुख्यमंत्री ने जेवर मेट्रो पर भी जानकारी ली। बताया गया कि जेवर मेट्री की डीपीआर बन गई है। इसमें करीब 25 स्टेशन बनेंगे। अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के साथ-साथ मेट्रो चलाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो का काम भी प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। ताकि यह प्रोजेक्ट भी समय पर पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट बड़ा प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हुई परियोजनाओं को भी समय पर पूरा किया जाए। इसके लिए हर काम तय समय पर पूरा किया जाए।

# बिल्डर अपने खरीदारों में विश्वास का माहौल बनाएं

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिल्डरों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। सीएम ने कहा कि ऐसा माहौल बनाएं, जिससे बिल्डर-बायर्स में विश्वास बढ़े। बिल्डरों ने डीएस मिश्रा की कमेटी की सिफारिश लागू करने, एनजीटी के आदेश से दो साल बंद रहे काम के दौरान जीरो पीरियड का लाभ देने व फ्लैट बनाने की समय सीमा बढ़ाने की मांग की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में बिल्डरों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इसमें क्रेडाई पश्चिमी उप्र के अध्यक्ष प्रशांत तिवारी, गौड़ ग्रुप के मनोज गौड़, अशोक खेड़ा आदि शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने फ्लैट खरीदारों को पजेशन दिलाने के लिए बिल्डरों से मुलाकात की। क्रेडाई ने प्रस्ताव दिए कि अगर प्राधिकरण और सरकार स्तर से कुछ छूट मिल जाए तो करीब एक लाख फ्लैट बनकर तैयार हैं, उनके खरीदारों को पजेशन दिया जा सकता है। तिवारी ने मुख्यमंत्री से कहा कि एनजीटी के रोक के बाद दो साल तक काम बंद रहे, लेकिन प्राधिकरणों ने सिर्फ 70 दिन का जीरो पीरियड दिया है। इसी तरह ग्रेनो वेस्ट के बिल्डरों को जीरो पीरियड का लाभ नहीं मिला है। बिल्डरों ने कहा कि निर्माण समय से पूरा न होने पर पेनल्टी लगाई जा रही है। बिल्डरों ने सरकार बनने पर गठित मंत्रियों के समूह और खरीदारों को पजेशन दिलाने पर बनी उच्च स्तरीय कमेटी की सिफारिशों को शीघ्र लागू कराने की मांग की।

भावुक के पिता संज